केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ३ मार्च, २०१३ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१३ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''विवाह का मूहूर्त तो दूसरा निकलेगा, पर महाराज की आज्ञा फिर नहीं मिलेगी ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''सद्‌गुरु ये गुणातीतानंद स्वामी हैं ।''

३. ''उसके घर तुम्हारे जैसी तो दासियाँ हैं ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. समुद्रदेव को भरोसा हो गया कि चारों भाई मिलनसार हैं ।

.....

.....

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज ने बहुत प्रसन्न होकर लाधीबाई को शुभाशीर्वाद दिये ।

३. प्रजा ने प्रधानपुत्र को राजा बना दिया ।

प्र. ३ 'आत्मानंद स्वामी' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. सगराम ने किस ड़र से तोड़े पर धूल डाल दी ?

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज भूज पधारे तब किस को दर्शन के लिये बुलाया ?

३. शिक्षापत्री का पाठ न होने पर श्रीजीमहाराज ने क्या करने को कहा है ?

४. लंदन मंदिर में मूर्ति प्रतिष्ठा कब हुई थी ?

५. देवराम कहाँ के निवासी थे ?

प्र. ५ 'सत्संग हो भी जाये' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. प्रभुपद .....

..... दुख:हारी ।

२. छपैयापुरमां ..... उपजावता हो ।

३. अयं निज: ..... कुटुम्बकम् ॥

४. गंगा पापं ..... महाशया:॥ - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''उनकी बराबरी का कहना यह उनके स्वरूप का अपमान करना है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''इस बुढ़ापे तक किसी से ऐसी बातें सुनने को नहीं मिलीं ।''

३. ''आजके ये लोग उन्हें भगाने की स्थान से हटाने की सोच रहे हैं ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. बेचर कीसा ने स्वामीश्री को जमीन नाप दी ।

.....

.....

.....

.....

२. डुंगर भक्त ने अंग्रेजी पढ़ ने से मना कर दिया ।

३. गढ़डे में आचार्य महाराज, भगतजी महाराज, रंगाचार्यजी और उपस्थित सभी हरिभक्त सभी आश्चर्यचकित भाव से यज्ञपुरुषदासजी की ओर देखने लगे ।

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) **(५)**

१. नारायणस्वरूपदासजी संस्था के प्रमुख २. वड़ताल के साथ समाधान की चर्चा

३. मंदिर और सत्संग से अलग नहीं

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. कराची में भविष्यवाणी बोलते हुए स्वामीश्रीने क्या कहा ?

.....

.....

२. जीभाई कोठारी ने जागा भक्त को क्या करने से मना कर दी ?
३. किस प्रसंग पर शास्त्रीजी महाराज की हाथी पर नगरयात्रा संपन्न हुई थी ?
४. स्वामीश्री के शिष्य भविष्य में क्या करेंगे ?
५. सच्चे गुरु भक्त होने के लिए यज्ञपुरुषदासजी ने क्या करने को सोचा ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. विद्यारम्भ
(१) ☐ डुंगर भक्त ने यह निश्चय कर रखा था कि पढ़ाई जब करनी ही है, तो कक्षा में अव्वल ही रहना चाहिये ।
(२) ☐ महेलाव के मावजीभाई सोचते की : यदि मेरा ऐसा पुत्र हो तो मेरी संपत्ति की शोभा बढ़ जाय ।
(३) ☐ नौ साल की उम्र में ही मंदिर में जब कोई साधु नहीं होता तो वे कथा सुनाते थे ।
(४) ☐ महेलाव में माण मिट्टी की गोल बड़ी गगरी-बजाकर रामायण की कथा की ।

२. गुणातीत-समाधि स्थान में मन्दिर
(१) ☐ महाराजा ने एक शर्त रखी थी कि, तीन वर्षो में वह काम पूरा होना चाहिए और उसमें कम से कम दस लाख रुपये खर्च किया जाना चाहिये ।
(२) ☐ हरिभाई अमीन भूमि का दो लाख रुपये में सौदा तय करके आये थे ।
(३) ☐ संतो हरिभक्तों की रातदिन की तनतोड़ सेवा के सहारे साढ़े पाँच वर्षो में मन्दिर का काम पूरा कर दिया ।
(४) ☐ इस स्थान पर श्रीनाथजी के स्थान की तरह प्रतिदिन सात सौ रुपयों का नैवेद्य किया जायेगा ।

३. शास्त्रीजी महाराज के विद्यागुरु कौन कौन थे ?
(१) ☐ जीवनराम (२) ☐ रंगाचार्य
(३) ☐ गंगाराम महेताजी (४) ☐ शंकराचार्य माधवतीर्थ

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : दिल की सफाई का साधन : कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे - पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

उत्तर : दिल की सफाई का साधन : **भगतजी** ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे - **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **गुरुहरि का प्रथम जयन्ती महोत्सव :** शास्त्रीजी महाराज की ८० वीं जयन्ती अटलादरा में मनाने का विचार सर्वप्रथम मणिभाई सलाडवाला को आया ।
२. **यह तो मेरा छेलछबीला लाल :** साधु रामस्मरणदासजी वे पादुकाएँ चाहते थे । भगतजी का आदेश मिलते ही विज्ञानदासजी ने वह प्रेम से उन्हे दे दी ।
३. **अटूट विश्वास :** मध्य मंदिर का करीब दो सौ मन का पत्थर, नौ मोटे रस्सों से बाँधकर बड़ी ही आसानी से ऊपर चढा रहे थे। अचानक एक के बाद एक रस्से टूट गये ।
४. **सारंगपुर की शोभा :** गढ़डा के हिमजीभाई को तो पहले ही से भगतजी के प्रति द्वेषभाव था । उन्होंने वड़ताल मंदिर के कोठारी गिरधरदास को लिखा ।
५. **भगतजी : परम एकान्तिक सत्पुरुष :** क्षमा, शील, वैराग्य, भक्ति आदि सदगुणों से युक्त एकान्तिक सन्त पुरुष । यह बात ग.प्र.३७ वें वचनामृत के अनुसार उन्होंने समझाया ।
६. **ऐसे शास्त्रीजी महाराज को हमारे लाखों वन्दन हों ! :** सं. २००१ वैशाख शुक्ल चतुर्थी के दिन शास्त्रीजी महाराज ने सारंगपुर में सभामंडप में देह छोड़ दिया ।

* * *